आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–02 जुलाई 2025 सान्ध्य समाचार

अमरीका में क्वाड संगठन के सदस्य देशों की बैठक में पहलगाम हमले की निंदा की गई है। इस हमले में प्रदेश के कानपुर जिले के एक युवक समेत कुल छब्बीस पर्यटकों और कुछ स्थानीय लोगों की आतंकियों ने अप्रैल माह में गोली मार कर हत्या कर दी थी। क्वाड संगठन के सदस्य देशों ने इस आतंकी हमले के दोषियों, षडयंत्रकर्ताओं और धन उपलब्ध कराने वालों को तुरंत दंडित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों से सहयोग करने का आह्वान किया है। एक रिपोर्ट–

अमरीका के वॉशिंगटन डीसी में आयोजित क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक के संयुक्त बयान में पहलगाम आतंकी हमले की कड़े शब्दों में आलोचना की गई है। बैठक में सीमापार आतंकवाद सहित सभी प्रकार के आतंकवाद की घोर निंदा की गई है। क्वाड संगठन स्वतंत्र और खुले हिंद–प्रशांत क्षेत्र के प्रति कटिबद्ध है। सदस्य देशों ने साइबर अपराध और ऑनलाइन धोखाधड़ी के खिलाफ संघर्ष के प्रति प्रतिबद्धता भी प्रकट की। समाचार कक्ष से मैं सरफिरोजी।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सुबह लगातार दूसरे दिन गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री पिछले तीन दिनों से गोरखपुर में थे। आज सुबह करीब दो सौ लोगों से मुलाकात कर उनसे प्रार्थना पत्र प्राप्त कर मुख्यमंत्री ने संबंधित अफसरों को त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया। उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त किया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

****

भारतीय प्रोद्योगिकी संस्थान आईआईटी बीएचयू ने गन्ने के बायोमास अपशिष्ट और एक नई खोजी गई जीवाणु प्रजाति की मदद से हरित हाइड्रोजन उत्पादन का नवाचार किया है। संस्थान के स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग की बायोमॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों का यह नवाचार गन्ना उत्पादक बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में गन्ने की खोई के सदुपयोग को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही इससे पैदा होने वाली पर्यावरणीय समस्याओं पर भी अंकुश लगेगा। संस्थान के बायोमॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग प्रयोगशाला की प्रभारी आभा मिश्रा ने बताया कि यह अनुसंधान न केवल जैव–हाइड्रोजन उत्पादन का एक व्यावहारिक और सतत मार्ग प्रस्तुत करता है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि क्षेत्रीय रूप से उपलब्ध लिग्नोसेलुलोसिक बायोमास अपशिष्ट को प्रभावी ढंग से मूल्यवान नवीकरणीय संसाधनों में बदला जा सकता है।

****

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान–एम्स ने कहा है कि कोविड के टीकों और युवाओं की अचानक होने वाली मौतों के बीच कोई संबंध नहीं है। देश के दो प्रमुख चिकित्सा अनुसंधान संस्थानों के व्यापक अध्ययनों में पुष्टि हुई है कि भारत में इस्तेमाल हुए कोविड के टीके सुरक्षित और प्रभावी रहे हैं। दोनों संस्थाओं ने दो अध्ययन किए। पहले अध्ययन में लोगों की आयु 18 और 45 वर्ष के बीच थी। एक रिपोर्ट

पहले अध्ययन का परिणाम यह दर्शाता है कि कोविड–19 टीकाकरण से लोगों में अचानक मृत्यु का जोखिम नहीं बढ़ता है। वहीं, दूसरा अध्ययन जो एम्स, नई दिल्ली द्वारा किया जा रहा है। उसके प्रारंभिक विश्लेषण यह पता चलता है कि हार्टअटैक या मायोकार्डियल इनफारक्शन, इस आयु वर्ग में अचानक मृत्यु का प्रमुख कारण बना हुआ है। यह अध्ययन भारत में युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मृत्यु के बारे में अधिक व्यापक समझ प्रदान करते हैं। अध्यनों में यह भी कहा गया है कि मृत्यु के जोखिम में अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्यायों की भूमिका हो सकती है। वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने दोहराया है कोविड टीकाकरण को अचानक मौतों से जोड़ने वाले बयान झूठे और भ्रामक हैं। आनंद कुमार के साथ, आकाशवाणी समाचार के लिए आदर्श, दिल्ली।

****

प्रदेश भर में सात जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत सत्ताईस विभागों द्वारा करीब पैंतीस करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य है। अभियान के तहत मऊ जिले में आज एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन कर पिछले दो दिनों में जन्म लेने वाले शिशुओं के अभिभावकों को सांगवान का पौधा दिया गया। साथ ही उन्हें ग्रीन गोल्ड प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर सामाजिक वानिकी प्रभाग के निदेशक पीके पांडेय ने कहा कि यह पौधा न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगा, बल्कि बच्चों के साथ साथ यह भी पनपेगा और उनके लिए एक आर्थिक सम्पत्ति के तौर पर काम करेगा।

****

मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में छह जुलाई तक कहीं कहीं भारी बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी चार जुलाई से यही स्थिति रहेगी। इस बीच, प्रदेश में कई नदियों का जल स्तर भी बढ़ने लगा है। वाराणसी जिले में गंगा नदी का जल स्तर तीन मीटर से अधिक बढ़ जाने के कारण चौरासी घाटों का आपसी सम्पर्क टूटने लगा है। इसे देखते हुए छोटी नावों के संचालन पर रोक लगा दी गई है और जल पुलिस ने निर्देश दिया है कि नावों में उनकी निर्धारित क्षमता से आधे यात्री ही बैठाए जाएं। प्रदेश के शाहजहांपुर सहित कुछ अन्य जिलों की नदियों में भी जलस्तर के तेजी से बढ़ने के कारण बाढ़ की स्थिति बनने लगी है।

****